द्वितीय दीक्षान्त समारोह

सोमवार, 02 फरवरी, 2015

Second Convocation

Monday, 2nd February 2015

कार्यक्रम
PROGRAMME

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर

RAJASTHAN UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES, JAIPUR

कार्यक्रम

12.00 अपराह्न — माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति का बी.एम. बिड़ला सभागार के द्वार पर शुभागमन –कुलपति द्वारा पुष्पगुच्छ के साथ अगवानी।

12.03 अपराह्न — दीक्षान्त समारोह हेतु अकादमिक परिधान धारण।

12.06 अपराह्न — दीक्षान्त समारोह स्थल हेतु एकेडेमिक प्रोसेशन निम्नलिखित क्रम से होगा–

कुलसचिव (सबसे आगे)	
संकाय अधिष्ठाता	संकाय अधिष्ठाता
अकादमिक परिषद के सदस्य	अकादमिक परिषद के सदस्य
प्रबन्ध मण्डल के सदस्य	प्रबन्ध मण्डल के सदस्य
प्रतिकुलपति	डॉ. विश्व मोहन कटोच
कुलपति	मा0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री
माननीय कुलाधिपति (सबसे पीछे)	

उद्घोषक द्वारा आमन्त्रणः

"राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में आप सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन। एकेडेमिक प्रोसेशन सभागार में प्रवेश कर रहा है। सभागार में उपस्थित सभी से अनुरोध है कि वे अपने स्थान पर खड़े होने का कष्ट करें तथा राष्ट्रगान समाप्ति तक खड़े रहे।"

12.11 अपराह्न — राष्ट्रगान

12.13 अपराह्न — उद्घोषक

"कृपया अपना स्थान ग्रहण करें।"

"मैं विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमति नलिनी कठोतिया से अनुरोध करता हूँ कि वे आगे के कार्यक्रम का संचालन करें।"

12.14 अपराह्न — कुलसचिवः

"मैं प्रो.(डॉ.) राजा बाबू पंवार, कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे द्वितीय दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करें।"

12.15 अपराह्न — कुलपतिः

"माननीय कुलाधिपति महोदय! क्या आपकी अनुमति है कि दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की

घोषणा की जावे और मेरे द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जावे।"

माननीय कुलाधिपतिः

"हाँ, अनुमति है।"

12.16 अपराह्न

कुलपतिः

"माननीय कुलाधिपति की अनुमति से मैं द्वितीय दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करता हूँ।"

कुलपति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुति।

12.20 अपराह्न

कुलसचिव द्वारा मानद उपाधि प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव पाठ।

कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. बी.एस. सिंघल को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे डॉ. बी.एस. सिंघल के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.21 अपराह्न

कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. बी. एस. सिंघल को भेंट

कुलपतिः

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.23 अपराह्न

(माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए डॉ. बी.एस. सिंघल को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.24 अपराह्न

कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. के.के. तलवार को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे डॉ. के.के. तलवार के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.25 अपराह्न **कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. के.के. तलवार को भेंट।**

कुलपतिः

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.27 अपराह्न (माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए डॉ. के.के. तलवार को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.28 अपराह्न कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. नरेश त्रेहान को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे

डॉ. नरेश त्रेहान के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.29 अपराह्न

कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. नरेश त्रेहान को भेंट।

कुलपतिः

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.31 अपराह्न

(माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए डॉ. नरेश त्रेहान को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.32 अपराह्न

कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. नवीन सी. नन्दा को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद

उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे डॉ. नवीन सी. नन्दा के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.33 अपराह्न — कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. नवीन सी. नन्दा को भेंट

कुलपतिः
"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.35 अपराह्न — (माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए डॉ. नवीन सी. नन्दा को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.36 अपराह्न

कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. शिव कुमार सरीन को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे डॉ. शिव कुमार सरीन के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.37 अपराह्न

कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. शिव कुमार सरीन को भेंट

कुलपतिः

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.39 अपराह्न

(माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग

करते हुए डॉ. शिव कुमार सरीन को 'डॉक्टर ऑफ साईन्स (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.40 अपराह्न

कुलसचिवः

"माननीय! विश्वविद्यालय ने डॉ. समीन के. शर्मा को विद्या वाचस्पति (मेडिसन) की मानद उपाधि प्रदान करने का निर्णय किया है।

मैं कुलपति महोदय से निवेदन करती हूँ कि वे डॉ. समीन के. शर्मा के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करें।"

12.41 अपराह्न

कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र वाचन तथा डॉ. समीन के. शर्मा को भेंट।

कुलपतिः

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से निवेदन करता हूँ कि वे मानद उपाधि की स्वीकृति प्रदान करें।"

12.43 अपराह्न

(माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि की स्वीकृति)

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में मुझमें निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए डॉ. समीन के. शर्मा को 'विद्या वाचस्पति (मेडिसन)' की मानद उपाधि प्रदान करता हूँ।"

12.44 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. बी.एस. सिंघल से निवेदन करती हूँ कि वे अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करें।"

12.45 अपराह्न — डॉ. बी.एस. सिंघल द्वारा उद्‌बोधन।

12.47 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. के.के. तलवार से निवेदन करती हूँ कि वे अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत करें।"

12.48 अपराह्न — डॉ. के.के. तलवार द्वारा उद्‌बोधन।

12.50 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. नरेश त्रेहान से निवेदन करती हूँ कि वे

अपना उद्बोधन प्रस्तुत करें।"

12.51 अपराह्न — डॉ. नरेश त्रेहान द्वारा उद्बोधन।

12.53 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. नवीन सी. नन्दा से निवेदन करती हूँ कि वे अपना उद्बोधन प्रस्तुत करें।"

12.54 अपराह्न — डॉ. नवीन सी. नन्दा द्वारा उद्बोधन।

12.56 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. शिव कुमार सरीन से निवेदन करती हूँ कि वे अपना उद्बोधन प्रस्तुत करें।"

12.57 अपराह्न — डॉ. शिव कुमार सरीन द्वारा उद्बोधन।

12.59 अपराह्न — कुलसचिव :
"मैं डॉ. समीन के. शर्मा से निवेदन करती हूँ कि वे अपना उद्बोधन प्रस्तुत करें।"

01.00 अपराह्न — डॉ. समीन के. शर्मा द्वारा उद्बोधन।

01.02 अपराह्न — कुलसचिवः
"मैं मेडिसिन संकाय अधिष्ठाता एवं फार्मेसी

संकाय अधिष्ठाता से अनुरोध करती हूँ कि कृपया उपाधियों की स्वीकृति हेतु उद्घोषणा में सहभागी बने।"

(सम्बन्धित संकाय अधिष्ठाता मंच पर पहुँच कर माइक के पास खड़े होंगे। माननीय कुलाधिपति जब उपाधियों की स्वीकृति प्रदान कर देंगे तब संकाय अधिष्ठाता – संकाय के उपाधिग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के नाम का उच्चारण करेंगे तदुपरान्त मंच से चले जायेंगे)

दीक्षा कार्यवाही

01.05 अपराह्न

कुलसचिवः

"माननीय कुलपति महोदय से निवेदन हैं कि कृपया दीक्षा कार्यवाही प्रारम्भ करें।"

01.06 अपराह्न

कुलपतिः

"मैं मेडिसिन संकाय के सुपर स्पेशयलिटी डी. एम./एम.सी.एच., विद्या वाचस्पति (मेडिसिन) एवं फार्मेसी संकाय के विद्या वाचस्पति (फार्मेसी) के विद्यार्थियों से अनुरोध करता हूँ कि वे दीक्षा प्राप्ति के लिए खड़े हो जावे।"

(कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति से अनुरोध)

01.07 अपराह्न

कुलपतिः

"माननीय कुलाधिपति महोदय! मैं मेडिसिन एवं फार्मेसी संकायों के अधिष्ठाताओं की ओर से महोदय के सम्मुख उन विद्यार्थियों को प्रस्तुत करता हूँ जो सम्बद्ध विषय संकायों में सुपर स्पेशयलिटी डी.एम./एम.सी.एच. एवं पी.एचडी. की परीक्षा में योग्य तथा सफल प्रमाणित हुए हैं। मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से यह सविनय अनुरोध करता हूँ कि वे इन विद्यार्थियों को दीक्षा प्रदान करें।"

1.08 अपराह्न

माननीय कुलाधिपति :

"मैं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में अपने निहित अधिकार का प्रयोग करते हुए आप प्रत्येक एवं समस्त को विश्वविद्यालय से अपने विषय से सबंधित संकाय में सुपर

स्पेशयलिटी (डी.एम. एवं एम. सी.एच.) एवं पी.एचडी. की उपाधि प्रदान करता हूँ। मैं दीक्षा देता हूँ कि आप जीवन, वाणी एवं व्यवहार में सदैव स्वयं को इस उपाधि के योग्य प्रमाणित करें।"

1.10 अपराह्न

कुलसचिव:

"मैं मेडिसिन संकाय अधिष्ठाता से निवेदन करती हूँ कि कृपया मंच पर पधारे एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों के नाम उद्घोषित करें।"

मेडिसिन अधिष्ठाता	सत्र 2009 के डी.एम.	(विषयवार)
	सत्र 2009 के एम.सी.एच.	(विषयवार)
	सत्र 2010 के डी.एम.	(विषयवार)
	सत्र 2010 के एम.सी.एच.	(विषयवार)
	सत्र 2011 के डी.एम.	(विषयवार)

मेडिसिन अधिष्ठाता	सत्र 2011 के एम.सी.एच. (विषयवार)
	सत्र 2012 के डी.एम. (विषयवार)
	सत्र 2012 के एम.सी.एच. (विषयवार)
	सत्र 2013 के डी.एम. (विषयवार)
	सत्र 2013 के एम.सी.एच. (विषयवार)

मेडिसिन अधिष्ठाता	सत्र 2011 पी.एचडी. (विषयवार)
	सत्र 2012 पी.एचडी. (विषयवार)
	सत्र 2013 पी.एचडी. (विषयवार)

कुलसचिवः

"मैं फार्मेसी संकाय अधिष्ठाता से निवेदन करती हूँ कि कृपया करके मंच पर पधारे एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों के नाम उद्घोषित करें।"

फार्मेसी अधिष्ठाता	सत्र 2011 पी.एचडी. (विषयवार)
	सत्र 2012 पी.एचडी. (विषयवार)
	सत्र 2013 पी.एचडी. (विषयवार)

स्वर्ण पदक

1.30 अपराह्न

कुलसचिवः

"मैं उन सभी स्वर्णपदक प्राप्तकर्ताओं को आमन्त्रित करती हूँ जिन्होने विश्वविद्यालय की वर्ष 2009 से 2013 तक की अन्तिम वर्ष की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर नियमानुसार प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वे अपना स्वर्णपदक, उपाधि एवं प्रमाण–पत्र माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय से प्राप्त करें । इनके नाम इस प्रकार है:–"

(विद्यार्थियों की सूची का वाचन एवं माननीय कुलाधिपति द्वारा पदक वितरण)

(दीक्षान्त भाषण का अनुरोध)

1.45 अपराह्न

कुलसचिवः

"मैं डॉ. विश्व मोहन कटोच से सविनय अनुरोध करती हूँ कि वे दीक्षान्त भाषण प्रदान करने की कृपा करें।"

1.46 अपराह्न

डॉ. कटोच द्वारा दीक्षान्त भाषण

1.50 अपराह्न

(माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री महो. से उद्‌बोधन का अनुरोध)

कुलसचिव :

"मैं माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री महो. से अनुरोध करती हूँ कि वे अपना उद्‌बोधन प्रदान करावें।"

1.51 अपराह्न माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री महो. का उद्‌बोधन

(माननीय कुलाधिपति से आशीर्वचन का अनुरोध)

1.55 अपराह्न कुलसचिव :

"मैं माननीय कुलाधिपति महोदय से सविनय अनुरोध करती हूँ कि वे अपना आशीर्वचन प्रदान करने की कृपा करें।"

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा आशीर्वचन

कुलसचिवः

"माननीय कुलपति महोदय से अनुरोध हैं कि वे माननीय राज्यपाल महोदय, मा0 मंत्री जी एवं डॉ. कटोच को आभार स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट करें।"

(दीक्षान्त समारोह समापन का अनुरोध)

कुलसचिवः
"माननीय कुलपति महोदय से निवेदन है कि वे दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा करें"

कुलपतिः
"माननीय कुलाधिपति महोदय, क्या आपकी आज्ञा है कि दीक्षान्त समारोह का समापन किया जावे?"

माननीय कुलाधिपतिः
"हाँ, आज्ञा है।"

कुलपतिः
"मैं इस दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा करता हूँ।"

राष्ट्रगान के लिये निवेदन

उद्घोषकः

"सभी महानुभावों से अनुरोध हैं कि वे कृपया राष्ट्रगान के लिये अपने स्थान पर खड़े होने का कष्ट करें।"

राष्ट्रगान

उद्घोषकः

"समारोह में उपस्थित महानुभावों से अनुरोध है कि एकेडेमिक प्रोसेशन वापसी तक अपने स्थान पर खड़े रहें।"

एकेडेमिक प्रोसेशन विपरीत क्रम से अपने प्रस्थान स्थल को लौटेगी (कुलसचिव सबसें आगे)।

कुलसचिव (सबसे आगे)	
माननीय कुलाधिपति	
मा0 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री	कुलपति
डॉ. विश्व मोहन कटोच	प्रति–कुलपति
प्रबन्ध मण्डल के सदस्य	प्रबन्ध मण्डल के सदस्य
अकादमिक परिषद् के सदस्य	अकादमिक परिषद् के सदस्य
संकाय अधिष्ठाता	संकाय अधिष्ठाता

एकेडेमिक प्रोसेशन का सभागार से बाहर प्रस्थान

उद्घोषक: कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग हेतु विश्वविद्यालय परिवार आप सभी उपस्थित अतिथियों का हृदय से आभारी है।

जयहिन्द

सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों से निवेदन है कि कृपया भोजन के लिए नियत स्थान पर प्रस्थान करें।